# मैथिली-भोजपुरी अकादमी, दिल्ली

(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार)

समुदाय भवन, पदम नगर, किशनगंज, दिल्ली-११००४०

दूरभाष:-०११-२३६९९६८१, २३६९९६८२

E-Mail id :- mbacademydelhi@rediffmail.com


## नागरिक घोषणा पत्र

### लक्ष्य एवम् उद्देश्य

मैथिली-भोजपुरी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन, प्रचार-प्रसार और विकास के उद्देश्य से १८ मार्च २००८ में दिल्ली सरकार ने स्वायत्तशासी संस्था के रूप में मैथिली-भोजपुरी अकादमी, दिल्ली की स्थापना की। मैथिली-भोजपुरी अकादमी स्थापना के समय से ही भाषायी, साहित्यिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रचार में रचनात्मक भूमिका निभा रही है। अकादमी के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के क्रियान्वयन और नियोजन में निर्णय एंव परामर्श के लिए दो वर्ष की अवधि के लिए संचालन/प्रबन्ध समिति गठित की जाती है। किन्तु यह अवधि अगली समिति के गठन तक बढायी जा सकती है। अकादमी की इस संचालन समिति में सदस्य के रूप में २५ जाने-माने सहित्यकार, लेखक, विशेषज्ञ, पत्रकार आदि नामित किये जाते हैं। यह समिति सभी योजनाओं और प्रस्तावों तथा बजट का अनुमोदन करती है। इसके अलावा अकादमी में समय-समय पर विशेषज्ञ समितियाँ बनायी जाती हैं जो उपयुक्त दिशा-निर्देशन के साथ-साथ यह सुनिश्चित करती हैं कि विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लाभ उठाने वालों के चयन में निष्पक्षता बरती जाय अकादमी की स्थापना से मैथिली-भोजपुरी अकादमी ने दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी एक विशेष पहचान बनाई है।

### योजनाएँ

मैथिली-भोजपुरी अकादमी निम्नलिखित योजनागत परियोजनाओं के अंतर्गत अपने कार्यक्रम चलाती है:-

#### पुरस्कार एंव सम्मान

प्रतिष्ठित लेखकों, पत्रकारों एवं मैथिली-भोजपुरी भाषा के प्रचार प्रसार में लगे विद्वानों को उनके विशिष्ट योगदान के लिये मैथिली में विद्यापति सम्मान १५०००० रूपये व दो अन्य पुरस्कार ५०-५० हजार रूपये के और भोजपुरी में भिखारी ठाकुर सम्मान

१५०००० व दो अन्य पुरस्कार ५०-५० हजार रूपये के प्रदान किये जाते हैं। सम्मानों की अनुशंसा अकादमी की कार्यकारिणी समिति द्वारा की जाती है।

**<u>गोष्ठियाँ/सम्मेलन/कवि सम्मेलन</u>**

भाषायी संस्कृति के प्रसार, विचारों एवं अनुभवों के आदान-प्रदान को बढावा देने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में साहित्यिक संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता हैए तथा राष्ट्रीय पर्व, गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं।

**<u>संस्कृतिक कार्यक्रम/नाट्य महोत्सव</u>**

अकादमी दिल्ली के अलग-अलग स्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम व नाट्य महोत्सव के कार्यक्रम आयोजित करती है।

**<u>स्वयंसेवी संगठनों को वित्तीय सहायता</u>**

अकादमी दिल्ली के विद्यालयों/विश्वविद्यालयों/स्वयंसेवी संस्थाओं/ट्रस्टों द्वारा आयोजित साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिये लेखकों/कलाकारों/कवियों को प्रायोजित करती है, और कार्यक्रमों के आयोजनों में सहयोग प्रदान करती है।

**<u>योग्यता की कसौटियाँ</u>**

उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिये योग्यता की कसौटियाँ निम्नलिखित है:-

1- इन योजनाओं के अन्तर्गत कोई भी लेखकए साहित्यकार, कलाकार या पत्रकार जो कि दिल्ली का नागरिक है, लाभ उठा सकता है।

2- भाषायी संस्कृति के संवर्धन में सक्षम तथा योग्य सृजनशील कलाकार और लेखक पुरस्कार के हकदार हैं।

3- स्वयं सेवी संगठनों/संस्थाओं के मामले में पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण होना आवश्यक है।

**<u>परिछन पत्रिका का प्रकाशन</u>**

देश भर के जाने माने सृजनधर्मी साधकों के साथ-साथ उदयीमान प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिये अकादमी "परिछन" त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन करती है, जिसमें सर्जनात्मकता की सभी विधाओं कविता, कहानी, उपन्यास अंश, पुस्तक समीक्षा, संस्मरण रिपोर्ताज आदि को समाहित किया जा रहा है। जो मैथिली-भोजपुरी भाषा और साहित्य के उन्नयन में महत्वर्पूण योगदान दे रही है, इसकी एक प्रति का मूल्य ५० .रूपये तथा वार्षिक शुल्क १७५ .रूपये मात्र है।

## मैथिली-भोजपुरी अकादमी के प्रकाशन

1 अकादमी ने भोजपुरी के शीर्ष साहित्यकार भिखारी ठाकुर पर " सर्जक भिखारी ठाकुर" के नाम से पुस्तक का प्रकाशन किया है। जिसका मूल्य १२५. रूपये है।

2 अकादमी ने रंगपूर्वी नामक पुस्तक का प्रकाशन किया है, जिसमें चित्रकारों की कलाकृतियों को प्रकाशित किया है जिसका मूल्य २५०. रूपये है।

## अकादमी के आगामी प्रकाशन

1 कहानी संग्रह

2 कविता संग्रह

3 उपन्यास संग्रह

## भागीदारी

भागीदारी की अवधारणा अकादमी के कार्यक्रमों में अन्तर्निहित है। गोष्ठियाँ, सम्मेलन, कवि सम्मेलन, प्रशिक्षण कार्यशालाएँ, दिल्ली में स्ंवयसेवी संगठनों और प्रमुख साहित्यकारों/कवियों/विद्यालयों/विश्वविद्यालयों का सहयोग लिया जाता हैए तथा दूसरे सांस्कृतिक सामाजिक संगठनों के सहयोग से संचालित व आयोजित भी किये जाते हैं।

## सूचना अधिकार

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में " सूचना अधिकार" को विधानसभा द्वारा अधिनियमित किया गया है। इस अधिनियम के अन्तर्गत अकादमी की कार्यप्रणाली में खुलापन और पारदर्शिता लाने के समुचित प्रयास किये गये हैं।

## लोक शिकायतों का निपटान व पारदर्शिता

पारदर्शिता लाने, प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने, अधिक वित्तीय जवाबदेही, आधुनिक तकनीक अपनाने, कार्यक्रमों तथा गतिविधियों में आम लोगों और विशेषज्ञों की भागीदारी तथा लोगों की शिकायतों को कारगार ढंग से निपटाने की दिशा में अकादमी ने उल्लेखनीय प्रयास किये हैं।

## परिछन पत्रिका

मैथिली-भोजपुरी भाषा और साहित्य के उन्नयन हेतु सतत प्रयत्यनशील मैथिली-भोजपुरी अकादमी, दिल्ली द्वारा प्रकाशित एक ऐसी सम्पूर्ण साहित्यिक पत्रिका जो सहज मानवीय संवेदनाओं उदात्त जीवन-मूल्यों तथा राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का अनूठा संगम और हर वर्ग के पाठक-समुदाय की अपेक्षाओं की अनुकूल पठनीय एवं संग्रहणीय है।

सूरूचि-संपन्न स्वस्थ सकारात्मक अभिव्यक्ति की सूत्रधार ” परिछन पत्रिका” के स्थायी सहभागी बनें। आज ही अपना वार्षिक शुल्क सचिव मैथिली-भोजपुरी अकादमी, दिल्ली के नाम मनीआर्डर, चैक (स्थानीय) द्वारा भेजकर सदस्यता प्राप्त करें।

**अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-**

**सचिव**

**मैथिली-भोजपुरी अकादमी, दिल्ली**

**समुदाय भवन, पदम नगर, किशनगंज,**

**दिल्ली-110007**

**दूरभाष:- 011.23699681, 23699682**

E-Mail id :- mbacademydelhi@rediffmail.com